श्री जि० मो० विस्वास : उन को दूसरे प्वाइन्ट्स का भी जवाब देना चाहिये ।

समापति महोदय : मैं श्री मुकर्जी से प्रार्थना करूंगा कि वह माननीय सदस्य को समझायें । वह किसी दिन मंत्री महोदय के पास जा कर सारी बातें डिस्कस कर सकते हैं ।

श्री जि० मो० विस्वास । कौन जायेगा, कहां जायेगा ?

समापति महोदय : आप मेरी बात पहले सुन लीजिये । जितने प्वाइन्ट्स यहां उठाये गये हैं, अगर उन का जवाब मन्त्री महोदय ने नहीं दिया है तो जिन लोगों ने वह प्वाइन्ट्स रेज किये हैं वह उन को लिख कर दे दें, फिर भी अगर आप जरूरी समझें तब जा कर उन से डिस्कस कर लें । अब आप सदन की कार्रवाई चलने दें । ...(व्यवधान)

MR CHAIRMAN: I shall now put all the cut motions to the House.

All the cut motions were put and negatived.

MR. CHAIRMAN : The question is :

"That a Supplementary sum not exceeding Rs. 2,000 be granted to the President to defray the charges which will come in course of payment during the year ending the 31st day of March, 1971, in respect of Demand No. 2—Miscellaneous Expenditure."

Those in favour will say 'Aye'.

SOME HON. MEMBERS : Aye.

MR. CHAIRMAN : Those against will say 'No'.

SOME HON. MEMBERS : No.

MR. CHAIRMAN : The Ayes have it.

SOME HON. MEMBERS : The Noes have it.

MR. CHAIRMAN: Let the lobbies be cleared.

16.55 hrs.

[Mr. Deputy-Speaker *in the Chair*]

MR. DEPUTY-SPEAKER : Order, order. The lobbies have been cleared.

SHRI KANWAR LAL GUPTA : We do not want any division.

SHRI J. M. BISWAS : We do not want any division.

MR. DEPUTY-SPEAKER : The question is :

"That a Supplementary sum not exceeding Rs. 2,000 be granted to the President to defray the charges which will come in course of payment during the year ending the 31st day of March, 1971, in respect of Demand No. 2—Miscellaneous Expenditure."

The motion was adopted

16.56 hrs.

APPROPRIATION (RAILWAYS) NO. 3 BILL*, 1970

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NANDA) : Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill to authorise payment and appropriation of certain further sums from and out of the Consolidated Fund of India for the service of the financial year 1970-71 for the purposes of railways.

MR. DEPUTY-SPEAKER : The question is :

"That leave be granted to introduce a Bill to authorise payment and appropriation of certain further sums from and out of the Consolidated Fund of India for the service of the financial year 1970-71 for purposes of railways."

The motion was adopted.

SHRI NANDA : Sir, I introduce† the Bill.

---

*Published in Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 2, dated 27-8-1970.

†Introduced with the recommendation of the President.

Sir, I beg to move* :

"That the Bill to authorise payment and appropriation of certain further sums from and out of the Consolidated Fund of India for the service of the financial year 1970-71 for the purposes of railways, be taken into consideration."

MR. DEPUTY-SPEAKER : Now, under the Rules Members who would like to speak on the Appropriation Bill have got to write to the Chair indicating the points that they would like to discuss and they must be relevant to the Demands and must not cover the same issues that have been covered.

SHRI UMANATH (Pudukkottai) : Only those who have given it in writing are allowed.

MR. DEPUTY-SPEAKER : Yes.

SHRI HEM BARUA (Mangaldai) : According to the Order Paper, there is a half-an-hour discussion at 5 O'clock.

MR. DEPUTY-SPEAKER : We are to take up the half-an-hour discussion to be raised by Shri Hem Barua at 5 O' clock. If you all agree, let us dispose of this as quickly as possible.

SHRI M. R. MASANI (Rajkot) : The programme should be adhered to. When it was fixed for 5 O'clock, why should it be postponed ?

SHRI KANWAR LAL GUPTA (South Delhi) : We can dispose of it within 10 minutes and then we can take up the half-an-hour discussion.

MR. DEPUTY-SPEAKER : He says that let us dispose it of in 10 minutes.

SHRI M. R. MASANI : Suppose it is not disposed of in 10 minutes ?

MR. DEPUTY-SPEAKER : I seek the co-operation of everybody.

Motion moved :

"That the Bill to authorise payment and appropriation of certain further sums from and out of the Consolidated Fund of India for the service of the financial year 1970-71 for the purposes of railways, be taken into consideration."

17.00 hrs.

श्री कंवर लाल गुप्त (दिल्ली सदर) : मैं केवल तीन बातें कहना चाहता हूं । नन्दा जी ने जैसे कहा और वह बात किसी हद तक ठीक भी है और जैसा दूसरे माननीय सदस्यों ने भी कहा है नन्दा जी की सहानुभूति वर्कर्ज के लिए है और गरीब लोगों के लिए रही है। मैं चाहता हूँ कि उनकी यह सहानुभूति बनी रहे । लेकिन दिल्ली की रेलवे कालोनीज की तरफ मैं उनका ध्यान दिलाना चाहता हूँ । उनको नन्दा जी स्वयं देखने के लिए गए थे । वहां की हालत बहुत खराब है । बेसिक एमेनेटीज भी वहां पूरी नहीं हैं । उन्होंने स्वयं स्वीकार किया था कि ये एमेनेटीज होनी चाहिये । इसको दो ढाई महीने हो गए हैं लेकिन अभी तक कुछ नही किया गया है । मैंने भी उनको तीन पत्र लिखे हैं लेकिन कोई कारंवाई अभी तक नहीं हुई है । मुझे मालूम नहीं अगर कोई अन्दर ही अन्दर प्रोग्रेस हुई हो । लेकिन मैं उन से प्रार्थना करूंगा कि जो उन्होंने कहा था उसको वह पूरा करें । जैसा उनका स्वभाव है उस हिसाब से इन कालोनीज में कम से कम बेसिक एमेनेटीज तो प्रोवाइड की जानी चाहिये जैसे लैट्रिन की, पानी की पक्के फ्लश आदि की ।

जितने भी रेलवे मिनिस्टर हुए हैं सारे ऐसे हुए हैं जिन की नुक्ताचीनी नहीं की जा सकती थी । सामने जब वे आ कर बैठ जाते थे तो की ही नहीं जा सकती थी । पहले डा० राम सुभग सिंह थे, उसके बाद पुनाचा जी हुए और अब नन्दा जी हुए हैं । किसी के बारे में भी ज्यादा नुक्ताचीनी नहीं हो सकती थी हालांकि इनकी जो रेलवेज हैं वे ऐसी हैं कि जब किसी को गुस्सा आता है तो वह उन पर पत्थर मारता है । लेकिन जो मन्त्री रेलवे डिपार्टमेंट के बने वे ऐसे बने जिन

†Moved with the recommendation of the President.

[श्री कंवर लाल गुप्त]

के बारे में ज्यादा नहीं कहा जा सकता। अगर मन्त्री भी उसी तरह के होते जिस तरह से रेलें हैं तो हो सकता था कि उनको भी पत्थर मारने को जी चाहता और तब हम कुछ कह भी सकते थे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है।

श्री बलराज मधोक ने कहा है दिल्ली में ओवर ब्रिजिज की व्यवस्था होना बहुत जरूत है। ट्रेफिक बढ़ता जा रहा है। मैं प्रार्थना करता हूँ कि मन्त्री महोदय व्यक्तिगत रुचि ले कर यह जो समस्या है,उसको हल करें।

मैं मानना हूँ कि गरीब वर्कर्ज के लिए उन्हें कुछ करना चाहिये। हम भी इसके पक्ष में हैं। लेकिन इस हद तक वह न जाएं जिससे कि अनुशासनहीनता फैले। मुझे याद है कि असम में स्ट्राइक हुई थी रेलवे वर्कर्ज की और वहां सारा काम ठप्प पड़ गया था। वह स्ट्राइक इसलिए नहीं हुई थी कि रेलवे वर्कर्ज का उसके साथ जो घटना घटी थी, कोई सम्बन्ध था। बाहर का कोई आदमी कत्ल हो गया था। जब अपराधियों को पकड़ा तो स्ट्राइक रेलवे वालों ने कर दी। उस स्ट्राइक के दौरान अफसरों के साथ उन्होंने मारपीट की, उनके परिवार वालों के साथ मारपीट की। इस पर रेलवे के अफसरों ने कहा कि हम इस तरह से काम नहीं कर सकते हैं। अखबारों में यह भी आया था कि उन्होंने इस्तीफा देने की धमकी दी थी। जब वे आपके साथ मिलने के लिए आए तो आपने उन से कहा कि क्या आपने इस्तीफा देने की बात कही थी तो उन्होंने कहा कि हमने इस्तीफा देने की धमकी नहीं दी थी। इस पर आपने कहा कि अखबारों में यह आया है और मैं इसकी इनक्वायरी करूंगा और पता लगाऊंगा कि आपने धमकी दी थी या नहीं दी थी। उसके बाद मैंने सुना है कि सारे अफसरों ने चारों तरफ से प्रोटेस्ट किया। आप रेलवे कर्मचारियों को, छोटे छोटे लोगों को ज्यादा से ज्यादा सुविधायें दें, हम इसके पक्ष में हैं। लेकिन इस हद तक आप न जाए कि वे अनुशासनहीनता करें और अपने अफसरों का कहना न मानें। साथ ही डिसमिस्ड एम्प्लायी को आप भेजें उनका फैसला करने के लिए। ऐसी चीज नहीं होनी चाहिए। कोई भी रेलवे के बाहर का आदमी आपको नहीं भेजना चाहिए। अगर एक दूसरे का सम्मान नहीं होगा तो वह चीज ठीक नहीं हो सकेगी।

मैंने सुना है कि नन्दा जी ने कोई मशीनरी बनाई है सुपर वाइज करने के लिए ऊपर से कोई महिला हैं जो यह तय करेंगी कि आया ठीक तरह से मैनेजमेंट हो रहा है या नहीं। मैं नहीं जानता वह महिला कौन हैं। लोग कहते हैं कि वह भारत सेवक समाज की है। मैं आप से प्रार्थना करता हूँ कि आप इसका स्पष्टीकरण करें। इस तरह की कोई मशीनरी अगर हो तो रेलवे के अन्दर से ही उसके लिए स्टाफ आना चाहिए। अगर ऊपर से कोई चीज लाद दी जाएगी तो आपस में कटुता बढ़ेगी। श्री बलराज मधोक ने ठीक ही कहा है कि रेलवे बोर्ड और स्टाफ और एडमिनिस्ट्रेशन, इन सब का जब तक ठीक मेल नहीं होगा तब तक काम ठीक तरह से नहीं चलेगा।

MR. DEPUTY-SPEAKER : Shastriji, you have mentioned two points. I am just pointing out the rules ; one point has already been covered by others. Point number two does not relate to any of the Demands that are made ; even so, if you want to speak, I will allow pou. Just two minutes. Kindly co-operate with the Chair.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : उपाध्यक्ष महोदय, 11-सूत्री कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के लिए जो सैल बनाया गया है, मन्त्री महोदय ने उस के बारे बहुत सी बातें कही हैं। मैं उन के बारे में कुछ न कह कर केवल यह कहना चाहता हूँ कि जिन लोगों को ले कर उस सैल का निर्माण किया गया है, उन के बारे में मेरा एतराज है। उस में सब सही लोग नहीं हैं। क्या यह सही है कि उस में एक ऐसे भी सदस्य

रखे गये हैं, जो बिहार में भारत सेवक समाज के नेता हैं ? कोसी योजना में भारत सेवक समाज ने जो गोलमाल किया उस के बारे में एक कमीशन द्वारा एनक्वायरी चल रही है। जब तक उस का फैसला नहीं हो जाता है, क्या तब तक भारत सेवक समाज के किसी नेता या सम्मानित व्यक्ति या प्रमुख व्यक्ति को इस सैल में रखना उचित है ? जिन सज्जन को रखा गया है, उन से मेरा कोई व्यक्तिगत द्वेष नहीं है, बल्कि उन के साथ मेरी मित्रता है। लेकिन मैं उन्हीं के फ़ायदे के लिए चाहूँगा कि जब तक इस सिलसिले में कोई फैसला न हो जाए, तब तक ऐसे मेम्बर को नहीं जाना चाहिए और उस सैल का पुनर्गठन किया जाना चाहिए।

रेल मन्त्री महोदय बार-बार कहते हैं कि हम कैटेगारिकल यूनिनस, विभागीय यूनियनों, को रेकगनाइज नहीं करेंगे और उन से बात भी नहीं करेंगे। उन को रेकगनाइज करने की बात तो दूर रही, उन्हें उन यूनियनों से इतनी नफरत है कि वह उन से बात करने के लिए भी तैयार नहीं है। वह कहते हैं कि हम केवल मान्यता-प्राप्त यूनियनों से ही बात करेंगे : उन से मेरा कोई मतभेद नहीं है। यहां पर सारे हिन्दुस्तान से इण्डियन रेलवेज टिकट चेकिंग स्टाफ एसोसियेशन के दो हजार के लगभग सदस्य आये हुए हैं और वह मन्त्री महोदय से मिल कर मेमोरेन्डम देना चाहते हैं। काश, मन्त्री महोदय वहां जा कर उन की ताकत को देखते। इस के अतिरिक्त आल-इण्डिया स्टेशन मास्टर्ज एसोसियशन, इण्डियन रेलवेज लोको मैकेनिकल स्टाफ एसोसियेशन, आल-इण्डिया रनिंग स्टाफ एसोसियेशन, आल-इण्डिया मिनिस्ट्रियल स्टाफ एसोसियेशन और आल-इण्डिया गार्ड्ज कौंसिल आदि बहुत सी विभागीय यूनियनें हैं। उन को मान्यता दी जाना चाहिए। वह जमाना खत्म हो गया, जब सरकार सिर्फ आल-इंडिया रेलवेमेंज फेडेरेशन और नेशनल फेडेरेशन आफ इण्डियन रेलवेमेन की बात मानती थी। अब दूसरी शक्तिशाली यूनियनें पैदा हो गई हैं। सरकार को उन से बात करनी चाहिए और उन्हें मान्यता देनी चाहिए। अगर सरकार ऐसा नहीं करेगी, जो वह दिन बहुत नजदीक आने वाला है, जब उस को बहुत जोरदार और सुसंगठित यूनियनों का मुकाबला करना पड़ेगा। इस लिए मेरा निवेदन है कि उन यूनियनों को रेकगनाइज किया जाये और कम से कम उन से बात तो जरूर की जाये।

MR. DEPUTY-SPEAKER : Mr. Jha, only the first point is relevant. Kindly speak on that.

श्री शिवचन्द्र झा (मधुबनी) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं ने सकरी और पंडोल के बीच उगना हाल्ट न बनाये जाने के बारे में एक कटमोशन दिया है। वह हाल्ट मन्त्रालय से सेक्शन्ड हो गया है, लेकिन पता नहीं क्यों, अभी तक उस को नहीं बनाया जा रहा है। मन्त्री महोदय और सरकार के लिए यह बड़े शर्म की बात है। वहां पर सब काम हो गया है। लोगों ने श्रम-दान से मिट्टी डाल दी है, लेकिन फिर भी इस काम को हाथ में नहीं लिया गया है। मन्त्री महोदय ने कहा था कि वह इस बारे में चैक करेंगे। उन्होंने क्या चैक किया है ? इस में समस्तीपुर वालों की धांधली है, क्योंकि वे सोचते हैं कि यहां हाल्ट बनाए जाने से वे ज्यादा पैसा खा सकेंगे। यह सरकार इस बारे में कान में तेल डाल कर सोई हुई है।

निरमल्ली और भगोड़िया के बीच में परसा हाल्ट के बारे में सरवे हो गया है। वहां पर बहुत लम्बी, आठ नौ मील की, दूरी है। वहां लोगों को बहुत तकलीफ है। वह अण्डेवेलप्ड एरिया है और बाढ़ से ग्रस्त है। फिर सरकार इस हाल्ट को क्यों नहीं बना रही हैं ?

इस के अलावा चिकना फ्लेगहार्ट को फ्लेग स्टेशन बनाने का काम भी नहीं हो रहा है।

रेलवे की बुनियादी बात यह है कि उसमें सेन्स आफ ड्यूटी नहीं है, उस में जनता की

[श्री शिवचन्द्र झा]

सेवा की भावना का बिल्कुल लोप है । यह मेरी ड्यूटी नहीं है, उस की है, रेलवे प्रशासन के हर एक स्तर पर यही मनोवृत्ति काम कर रही है। किस की ड्यूटी है और कौन किसी काम को करेगा, किसी को यह पता नहीं होता है ।

हमें सजेस्शन्ज और ओपीनियन्ज की किताब भेजी गई है । लेकिन सवाल यह है कि इस बात की क्या गारन्टी है कि हम लोग जो सुझाव देंगे, वे मंत्री महोदय तक पहुँच पायेंगे और उन को कार्यान्वित किया जायेगा ?

MR. DEPUTY-SPEAKER : I shall now put the motion to vote.

SHRI KANWAR LAL GUPTA : The hon. Minister should also say something in reply.

SHRI NANDA : If you hold that any point is relevant, then I shall reply to it.

MR. DEPUTY-SPEAKER : It is up to the hon. Minister.

SHRI NANDA : I have covered all those points already.

MR. DEPUTY-SPEAKER : The hon. Minister says that he has covered all the points.

SHRI NANDA : I shall give further replies in writing. I shall write to the hon. Members.

MR. DEPUTY-SPEAKER : The question is :

"That the Bill to authorise payment and appropriation of certain further sums from and out of Consolidated Fund of India for the service of the financial year 1970-71 for the purposes of railways, be taken into consideration."

The motion was adopted.

MR. DEPUTY-SPEAKER : The question is :

"That clauses 2 and 3 and the Schedule stand part of the Bill."

The motion was adopted.

Clauses 2 and 3 and the Schedule were added to the Bill.

Clause 1, the Enacting Formula and the Title were added to the Bill.

SHRI NANDA : I beg to move :

"That the Bill be passed."

MR. DEPUTY-SPEAKER : The question is :

"That the Bill be passed."

The motion was adopted.

17.12 hrs.

HALF-AN-HOUR DISCUSSION

Naxalite Activities in the Country

MR. DEPUTY-SPEAKER : The House will now take up the half-an-hour discussion regarding increasing of Naxalite activities in the country, to be raised by Shri Hem Barua. This was originally fixed for the 19th August, 1970 and it was postponed to 26th August, 1970. The discussion, however, was postponed again and it is being held now. The ballot of notices seeking permission to participate in the discussion, received under rule 55 (5) which was held on the 19th August, 1970, the date originally fixed for the half-an-hour discussion holds good for today also. Therefore, the Members who secured the first four places in the ballot held on the 19th August, 1970 will only participate in the discussion, in addition to the Mover.

SHRI HEM BARUA (Mangaldai) : I must thank you for kindly allowing this half-an-hour discussion to be raised on the floor of this House. The matter was being postponed from one day to another and it went on being postponed and postponed. I must thank you for kindly allowing this to be raised today.

True it is that the Naxalite activities are mounting up and they are spreading their gangs all over the country, and there is no doubt about it. I do not want to indulge in a description of the depradations and the